Antarvasna
अन्तर्वासना

# चलती ट्रेन में आंटी को चोदा

“मेरा दोस्त ट्रेन के एसी टू टियर में सफर कर रहा था तो उसे एक परिवार मिला, उसमे आंटी और उनकी दो बेटियाँ, अंकल और एक बेटा थे. ट्रेन में मेरे दोस्त ने आंटी को कैसे चोदा पढ़ें मेरी एडल्ट हिंदी सेक्स स्टोरी में ! …”

**Story By:** (UPADHYAY2015)
**Posted:** शुक्रवार, मार्च 9th, 2018
**Categories:** हिंदी सेक्स स्टोरी
**Online version:** चलती ट्रेन में आंटी को चोदा


*Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire*

# चलती ट्रेन में आंटी को चोदा

मेरे दोस्त का नाम कुणाल है. मैं और कुणाल जबलपुर इंजीनियरिंग कॉलेज में पढ़ते थे. हम दोनों भिलाई स्टील प्लांट के कॉलोनी में रहते थे और बचपन से ही पक्के दोस्त हैं. कुणाल बहुत नॉटी ब्वॉय था. जब से उसने जवानी में कदम रखा, कुछ ना कुछ हरकत करता ही रहता था. कॉलेज में हम उम्र लड़कियों की चुचियां दबा देता था. कभी मौका मिला तो चुत को भी मसल देता था.

मैंने डर के मारे उसके साथ घूमना बंद कर दिया लेकिन तब भी वह रोज मुझसे मिलता रहता था. फिर एक दिन घटना घट गई जिसका हाल एक कहानी के रूप में आपके समक्ष पेश कर रहा हूँ.

जब मेरा दोस्त धीरे धीरे और जवान हुआ तो लड़कियों को पटा कर चोदने भी लगा था.

एक दिन मुझे अपने सेल फोन में पड़ोस की लड़की का नंगा फोटो दिखाया और कहने लगा कि मैंने इसको चोदा है.
मैं उसे घूर कर देखने लगा.
कुणाल हंस कर बोला- तुमने कभी किसी लड़की चुत को नजदीक से देखा है ?
मैंने- नहीं.. मौका ही नहीं मिला, हां, बचपन में देखा था.
कुणाल- बचपन की कली ही तो बड़ी होने के बाद फूल जैसी खिल जाती है.
मैंने- फर्क क्या होता है ?
कुणाल- बहुत फर्क है. तुमने कभी फूल पर तितली को मंडराते हुए देखा है ना ?
मैंने- हां देखा है.. वह फूल के रस को पीती है.
कुणाल- हां वैसे ही हम लौंडे अपने लंड से लौंडियों की फूल की तरह ताज़ी खिली हुई चूत का रस निकालते हैं और उनकी चूतों को अपने रस भी पिलाते हैं.

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

मैंने- छोड़ ये सब बातें.. कभी चक्कर में पड़ गया तो लेने के बदले देने पड़ जाएंगे. मैं इन सब चक्करों में नहीं पड़ूँगा.. मुझे पढ़ाई करना है.

कुणाल पढ़ाई में भी तेज था, इसलिए वह भी इंजीनियरिंग में सेलेक्ट हो गया था.

हम दोनों जबलपुर के हॉस्टल में रह कर पढ़ने लगे. उसका लौंडियाबाजी का खेल नहीं छूटा. वो खूब पैसा लड़कियों के पीछे खर्च करता था. उसका बाप ठेकेदार है इसलिए उसको पैसे की परवाह नहीं थी. लेकिन मेरे पिताजी जॉब करते हैं.. इस महंगाई में घर चला कर मुझे पैसे भेजने में उन्हें तकलीफ़ होती थी, मैं इस बात को समझता था.

जब वह लड़कियों के पीछे पैसा खर्च करता, तो उस वक्त मुझे भी फ़ायदा मिल जाता था. इसलिए उसकी दोस्ती में बुरे गुण होने के बाद भी उसका साथ नहीं छोड़ सका.

एग्जाम के बाद छुट्टी मिल गई.. तो हमने भिलाई जाने के लिए रिजर्वेशन कराया. कुणाल ने एसी टू टियर में कराया, मैंने स्लीपर क्लास में कराया. ट्रेन में हम अलग हो गए.

कुणाल ट्रेन में अपनी बर्थ पर गया तो देखा कि वहां पर 5 लोग बैठे हैं. एक अंकल जिनकी उम्र करीब 50 साल थी, उनके साथ में उनकी पत्नी भी थीं, उनकी उम्र 45 से 48 के बीच में होगी. उनके साथ दो बेटियां और एक छोटा लड़का भी था.
कुणाल बोला- अंकल, ये मेरी सीट है.
तभी आंटी तपाक से बोलीं- कोई बात नहीं, सब एड्जस्ट हो ज़ाएगा, बेटा ट्रेन तो चलने दे.

कुणाल ने अपना सामान बर्थ के नीचे रखा और खिड़की के पास जाकर बैठ गया. उसके बाजू में आंटी और उनके बाजू में अंकल बैठे थे. ट्रेन चल पड़ी. कुणाल ने पहले आंटी को गौर से देखा तो उसको लगा कि ये माल है, मौक़ा मिलेगा तो चोद ही दूँगा. उसने मन में सोच

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

लिया बाद में उसने आंटी की बड़ी लड़की को देखा तो उसे वो भी भा गई, कुणाल की अन्तर्वासना जग गई. उसके नीचे का हथियार हलचल करने लगा. उसने सोचा कि बात आगे बढ़ाना चाहिए.

कुणाल- आंटी..
आंटी- क्या है बेटा ?
कुणाल- आंटी आप लोग 5 हैं, मुझे मिला कर 6 हो जाएंगे. आपकी और सीट कौन सी है ?
आंटी- क्या करूँ बेटा.. तीन सीट ही कन्फर्म हो पाई हैं, देखो आगे कुछ ना कुछ इंतज़ाम हो जाएगा.
कुणाल- आंटी गाड़ी में बहुत भीड़ है, मुश्किल है.
आंटी- तुम्हारे अंकल नीचे सो जाएंगे, दोनों बेटी और बेटा ऊपर बर्थ पे सो जाएगा.. मैं बैठ कर रात गुजार लूँगी. एक रात की ही तो बात है.
कुणाल- ठीक है.

बातचीत हुई और अंकल के मुँह से आंटी का नाम माया सुना तो मुझे माया का मायाजाल अच्छा लगने लगा. उनकी बेटियों का नाम भी उसने सुन लिया उनके मम्मी पापा के मुख से कौमुदी और कल्याणी था.

ट्रेन अपनी रफ़्तार पर आगे बढ़ रही थी. भीड़ अपनी अपनी सीट के लिए टीटी के पीछे घूमने लगे. अंकल चुप बैठे रहे जैसे ये सब उनका काम नहीं है. दरअसल अंकल चूतिया किस्म के इंसान थे. उन्होंने और सीट कन्फर्म कराने की कोई कोशिश नहीं की.

कुछ देर बाद आंटी ने बैग से खाना निकाला और पेपर प्लेट में परोसने लगीं. सबको खाना देने के बाद बोलीं- बेटा, आप कुछ खाओगे ?
हम लोग सीधे हॉस्टल से आए थे, सो कुछ केले और संतरे खरीद कर रख लिए थे.
कुणाल- हां आंटी, आप प्यार से खिलाएंगी तो मैं कैसे मना करूँगा.

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

आंटी- तुम्हारा नाम क्या है बेटा ?
‘कुणाल..’
आंटी- कुणाल बेटे ये ले..

उन्होंने प्लेट में 3 परांठे.. जलेबी आदि रख दिया और बोलीं- बेटा ये घर की बनी जलेबी है, बाजार की नहीं हैं.. खा कर बता तो कि कैसी बनी हैं ?
कुणाल ने जलेबी खाते हुए आंटी की आँख में आँख मिलाई और बोला- मस्त हैं.
आंटी- क्या मस्त है ?
कुणाल- ये जलेबी..
उसने हाथ से आंटी की चूत की इशारा किया और ऐसे जाहिर किया जैसे आंटी की गोद में रखी जलेबी के लिए कह रहा हो.
फिर कुणाल ने अपने बैग से केला और संतरा निकाल कर दो दो संतरे सबके हाथ में दे दिए. आंटी के हाथ में एक लंबा केला थमाया और बोला- ये मेरी तरफ से आपको एक्सट्रा लम्बा वाला.
आंटी ने बेटियों की तरफ़ इशारा करके कहा- अच्छा ये मेरे लिए और उनके लिए नहीं ?
कुणाल- क्यों नहीं आप चाहें तो उनके लिए भी है.. लीजिए !
आंटी की बेटी बोली- आपके घर का है क्या ?
कुणाल- नहीं.. खरीदा है.

अब तक खाना हो गया था. हाथ धोने के लिए कुणाल खड़ा हुआ, आंटी भी प्लेट आदि सब कलेक्ट करके बाहर जाने लगीं. कुणाल भी आंटी के पीछे पीछे हो लिया. आंटी की गांड मस्त मटक रही थी. कुणाल ने आंटी गांड को हाथ से टच किया.

आंटी ने वाशरूम का दरवाजा खोलते हुए एकदम से पीछे को होकर कुणाल के लंड पे चूतड़ से धक्का दिया और पीछे मुड़ कर कुणाल को देखा, तो कुणाल ने एक कातिलाना

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

स्माइल की.

अब आंटी और कुणाल ने बेसिन में हाथ धोए. फिर अन्दर आते वक्त आंटी ने कुणाल के लंड पे हाथ रख दिया.

कुणाल- आंटी केला अच्छा है ?
आंटी- अभी खाकर तो देखा नहीं कैसा बताऊं ?
कुणाल- तो खाकर बताइए ना.
आंटी ने आँख मार दी.

दोनों अन्दर चले गए. ट्रेन रफ़्तार पर चल रही थी. सब अपनी अपनी बर्थों पर बेडरोल बिछा कर सो गए.

आंटी का एक लड़का और बेटी कुणाल की ऊपर वाली सीट पे सोया और दूसरी बेटी सामने वाली ऊपर बर्थ पर सो गई. अंकल सामने वाले बर्थ पर सोए थे, उन्होंने परदा डाल दिया.

आंटी को एक बार मौका मिला तो कुणाल के लंड को हाथ से रगड़ने लगीं. कुणाल गरम हो गया लंड अन्दर से पेंट में तंबू बना कर उभर कर दिखने लगा. आंटी की बड़ी बेटी बहुत उत्सुकता से कुणाल के लंड को निहार रही थी.
आंटी अंकल के पैर के पास बैठी थीं, अंकल खर्राटे भरने लगे. कुणाल एक किताब निकाल कर पढ़ने का नाटक कर रहा था.

आंटी- कुणाल बेटा सो जा, किताब घर जा कर पढ़ लेना.. लाइट ऑफ कर दे.
कुणाल ने कहा- ठीक है आंटी, जरा बर्थ ठीक कर लूँ.

वो झुक कर बिस्तर बिछा रहा था. आंटी नीचे से हाथ डाल कर कुणाल के लंड को टटोलने लगी थीं.

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

कुणाल धीरे से गुनगुनाते हुए बोला- ठंडी में भी गर्मी का एहसास हो रहा है.
वो लाइट ऑफ करके खिड़की की तरफ सिर करके सो गया.

ट्रेन यात्रा में बीच में दो तीन हॉल्ट निकल गए, यात्री चढ़ कर अपनी अपनी सीट खोजने के लिए लाइट जलाने लगे और ऑफ करने लगे.

रात 12 बजा था.. कुणाल ने पैर के पास किसी के बैठने को महसूस किया. उसने उठकर देखा तो आंटी बैठी थीं.
आंटी ने कुणाल को जागते देखा तो बोलीं- मैं हूँ बेटा सो जा.. बेटा सो जा..

कुणाल उठा उसने अपना सिर आंटी की तरफ़ रखा और सो गया. अब वो धीरे से अपने हाथ से आंटी की चुत को रगड़ने लगा. आंटी भी रेस्पोन्स में धीरे से हाथ चादर से घुसा कर उसके लंड को मसलने लगीं. कुणाल ने पेट के बल सो कर आंटी की साड़ी के अन्दर सिर घुसा दिया और चुत को चाटने लगा.

आंटी कुणाल के सिर को चुत पर कसके दबाने लगीं. उधर गाड़ी भी बहुत रफ़्तार से चल रही थी, इधर चुत चाटना भी रफ्तार पकड़ रहा था. जब आंटी से रहा न गया तो उन्होंने भी कुणाल के चादर को ऊपर से ओढ़ लिया और कुणाल के पेंट के जिप खोल कर लंड को मुँह से चूसने लगीं, कुछ ही देर बाद कुणाल और आंटी 69 पोजीशन में एक दूसरे के आइटम को चूसने लगे. दोनों अपने अपने कामरस को एक दूसरे के मुँह में डाल कर मज़े से चाटने लगे.

आंटी ने चूसते हुए लंड को रगड़ कर खड़ा कर दिया और सीधी होकर चुदाई की पोज़िशन में झुक कर बैठ गईं.. ताकि कुणाल का लंड उनकी चुत में जा सके. कुणाल ने भी अपने लंड को आंटी की चुत पे रख कर एक झटका मारा तो लंड पूरा अन्दर चला गया.

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

आंटी की चुत भोसड़ा बन चुकी थी, अब तक हजारों बार चुदाई हो चुकी थी और तीन बच्चे भी चूत से निकल चुके थे.

कुणाल धीरे से हिलने लगा. बाकी काम ट्रेन की रफ़्तार ने पूरा किया. आंटी चुदाई का मजा लेने लगीं. कुछ देर बाद कुणाल झड़ गया और उसका लंड सिकुड़ कर छोटा हो गया.
कुणाल ने पेंट के अन्दर लंड किया और सो गया.
आंटी भी कुणाल के बाजू में सो गईं.

सुबह हुई.. गाड़ी दुर्ग पहुँचने वाली हो गई थी. कुणाल और आंटी बहुत गहरी नींद में थे.
अंकल ने आंटी को उठाया, दोनों बेटी और लड़का भी नीचे उतर आए.

आंटी ने उठ कर कपड़े ठीक किए और एक नजर कुणाल तरफ़ देखा. कुणाल जाग चुका था लेकिन वो आँख मूंद कर सोया हुआ था.
आंटी- उठ कुणाल.. स्टेशन आ गया.
वो उठा तो आंटी ने कुणाल से पूछा कि सफ़र में तकलीफ तो नहीं हुई ?
कुणाल- नहीं आंटी बहुत मज़ा आया और अच्छी नींद भी.
आंटी- दुर्ग में ही हमारा घर है.. मौका मिले तो आ जाना.
कुणाल- जरूर दीदी को घर का केला खिलाना बाकी है, क्यों दीदी खाओगी ना ?
उसने सर हिलाया और धीरे से कुणाल के कान में कहा- माँ ने चख ही लिया है, अब मेरी बारी है.
कुणाल- जरूर.. अपना अड्रेस दे दीजिएगा आंटी.
उसने खुद भी एक विज़िटिंग कार्ड निकाल कर आंटी की लड़की को दे दिया.

ट्रेन रुकी और दोनों अपने अपने गंतव्य की और बढ़ गए.
बाकी चुदाई का खेल घर पर हुआ.

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

मेरी कहानी पर आप अपनी राय मुझे इमेल द्वारा बताएं तो मुझे प्रसन्नता होगी.
मेरी हिंदी सेक्स स्टोरी जारी रहेगी.

srupadhyayula@yahoo.in

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

# Other sites in IPE

## Kirtu

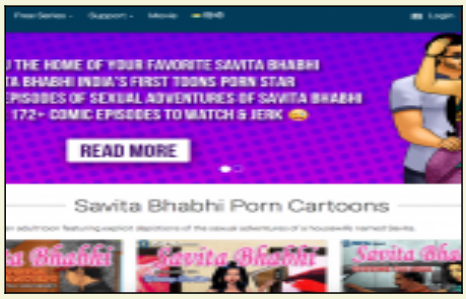


**URL:** www.kirtu.com **Site language:** English, Hindi **Site type:** Comic / pay site **Target country:** India Kirtu.com is the only website in the world with authentic and original adult Indian toons. It started with the very popular Savita Bhabhi who became a worldwide sensation in just a few short months.

## Kinara Lane

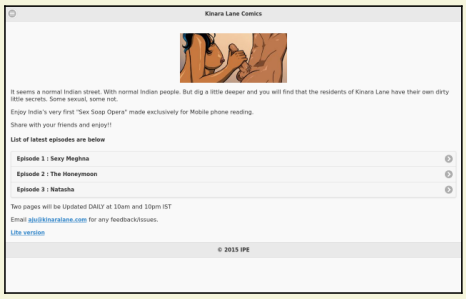


**URL:** www.kinaralane.com **Site language:** English **Site type:** Comic **Target country:** India A sex comic made especially for mobile from makers of Savita Bhabhi!

## Suck Sex

**URL:** www.sucksex.com **Average traffic per day:** 250 000 GA sessions **Site language:** English, Hindi, Tamil, Telugu, Marathi, Malayalam, Gujarati, Bengali, Kannada, Punjabi, Urdu **Site type:** Mixed **Target country:** India The Biggest & most complete Indian Sex Magazine for Indian Sex stories, porn videos and sex photos. You will find the real desi actions in our Indian tubes, lusty stories are for your entertainment and high resolution pictures for the near vision of the sex action.

## Desi Kahani

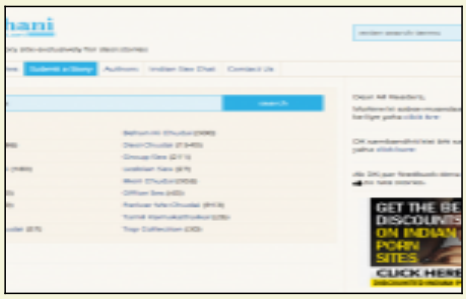

**URL:** www.desikahani.net **Average traffic per day:** 180 000 GA sessions **Site language:** Desi, Hinglish **Site type:** Story **Target country:** India Read over 6000+ desi sex stories and daily updated new desi sex kahaniyan only on DesiKahani.

## Indian Porn Videos

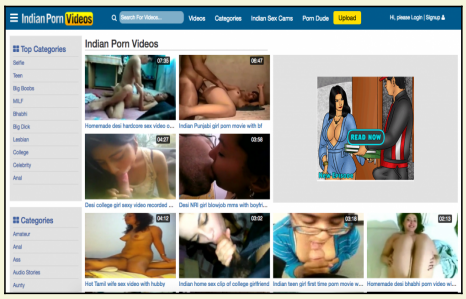


**URL:** www.indianpornvideos.com **Average traffic per day:** 600 000 GA sessions **Site language:** English **Site type:** Video **Target country:** India Indian porn videos is India's biggest porn video site.

## Pinay Sex Stories

**URL:** www.pinaysexstories.com **Average traffic per day:** 18 000 GA sessions **Site language:** Filipino **Site type:** Story **Target country:** Philippines Everyday there is a new Filipino sex story and fantasy to read.


*Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire*